SEMESTER-2 Paper-V

Page (3)

BY- Dr. Shyam Bihari Choudhary

classmate Date 10/05/20 Page

TOPIC - Evaluation of Student Teaching

छात्र - शिक्षण का मूल्यांकन

पाठ- शिक्षण की सभी अवस्थाओं में पर्यवेक्षक को देखना चाहिये कि शिक्षक छात्रों को कितनी कुशलता के साथ अधिगम परिस्थितियाँ प्रदान करता है तथा आगे पाठ के विकास में छात्रों के प्रत्युत्तरों से प्राप्त अवसरों को कितनी कुशलता के साथ प्रयोग करता है।

पाठ को अनुस्थितियाँ (Ranking) देने में अन्तिम निर्णय सम्पूर्ण पाठ पर आधारित होना चाहिये। पर्यवेक्षक को देखना चाहिये कि शिक्षक किस सीमा तक छात्रों को प्रेरित करने तथा अधिगम हेतु अत्यधिक उत्साहजनक तथा अनुमोदक वातावरण प्रदान करने में सफल हुआ है।

प्रत्येक शिक्षक के मूल्यांकन को प्रगति-पत्र पर अंकित जिसमें शिक्षण के सभी भिन्न पक्षों के निर्धारण स्तर हो तथा अन्तिम मूल्यांकन के समय सभी 50 पाठों के निर्धारण स्तर का औसत लिया जाना चाहिये। इसके अतिरिक्त शिक्षक के व्यक्तिगत गुणों जैसे- शिक्षक के व्यावसायिक तथा सांस्कृतिक विकास, सहयोगात्मक प्रवृत्ति, गम्भीरता, साधनपूर्णता, सामुदायिक सम्बन्धों व कार्यों का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner